अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 108 श्री विजय पुरम, गुरूवार, 23 अप्रैल 2026 web: dt.andaman

आईसीएआर–सीआईएआरआई ने अण्डमान तथा निकोबार राज्य मत्स्य विभाग को मत्स्य प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया

श्री विजय पुरम, 22 अप्रैल

आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई) के मत्स्य विज्ञान प्रभाग ने 21 अप्रैल, 2026 को श्री विजय पुरम स्थित सचिवालय में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के राज्य मत्स्य विभाग के साथ एक संवाद बैठक आयोजित की। इस बैठक का उद्देश्य प्रयोगशाला से खेत तक तकनीकों के हस्तांतरण को सुदृढ़ करना तथा द्वीपों में मत्स्य आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु हाल की तकनीकी प्रगति एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत करना था।

बैठक की अध्यक्षता अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मत्स्य विभाग की सचिव श्रीमती पल्लवी सरकार ने की तथा इसे राज्य मत्स्य विभाग के आमंत्रण पर आयोजित किया गया, ताकि नवाचारी तकनीकों को क्षेत्रीय स्तर पर किसानों एवं उद्यमियों तक पहुंचाने के लिए सहयोगात्मक मार्गों का अन्वेषण किया जा सके।

मत्स्य विज्ञान प्रभाग (एफएसडी) के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एम. मुरुगनंदम ने संस्थान द्वारा विकसित एवं प्रोत्साहित विभिन्न अत्याधुनिक तकनीकों पर प्रस्तुति दी।

श्रीमती पल्लवी सरकार ने प्रस्तुत तकनीकों में गहरी रुचि व्यक्त की और इनके प्रभावी प्रसार के लिए अंतिम छोर तक विस्तार तंत्र एवं राज्य–प्रेरित अभियानों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तथा अन्य तटीय मत्स्य विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत टूना क्लस्टर, समुद्री शैवाल (सीवीड) खेती और बायोफ्लॉक आधारित उद्यमों को सुदृढ़ करने हेतु सीआईएआरआई से तकनीकी सहयोग का अनुरोध किया।

इनमें अगली पीढ़ी की बायोफ्लॉक प्रणाली, इनडोर एवं आउटडोर, केकड़ा मोटापा तकनीक, मीठे पानी की सजावटी मछलियों का प्रजनन एवं उद्यमिता, तथा रोग निदान, निगरानी एवं जलीय जीव स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण शामिल थे। साथ ही, बायोफ्लॉक आधारित मत्स्य पालन एवं कम लागत वाले आहार उत्पादन प्रणालियों की आर्थिक व्यवहार्यता पर भी विशेष बल दिया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

यह बैठक हाइब्रिड माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें उत्तर एवं मध्य अण्डमान, दक्षिण अण्डमान तथा निकोबार जिलों के अधिकारियों सहित लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। बैठक का समापन इस सहमति के साथ हुआ कि सीआईएआरआई एवं राज्य मत्स्य विभाग के समन्वित प्रयासों से प्रमुख तकनीकों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे आजीविका में वृद्धि, सतत मत्स्य विकास सुनिश्चित करने तथा द्वीपों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।